हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 जनवरी, 2024

11 ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने 10 सूत्रीय...

12 दक्षिणी हरियाणा में खेल यूनिवर्सिटी खोलने की...

खबर संक्षेप

पौधों की सुरक्षा का किया आह्वान

नांगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में प्राचार्य डा. अनिल यादव की अध्यक्षता में साहित्य स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आर्य समाज के प्रतिनिधि ओमप्रकाश आर्य मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति व प्राकृतिक संसाधनों को सहेजकर रखने की हिदायत दी है।

सतनाली में श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात को सतनाली में जागरण किया गया। जिसमें मुख्य यजमान रोहित यादव सपरिवार थे। इस अवसर पर बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलने पर खुशी

महेंद्रगढ़। शहर के आजाद चौक पर रविवार को सैन समाज ने केंद्र सरकार द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न पुरस्कार मिलने पर लड्डू बांटकर खुशी जताई। वक्ताओं ने कहा कि स्व. कर्पूरी ठाकुर इस सम्मान के पात्र थे। वह बिहार के दो बार मुख्यमंत्री तथा एक उपमुख्यमंत्री रहे।

सामाजिक कार्यों के लिए टिंकू को मि अवार्ड

नारनौल। सामाजिक कार्यों में अपनी पहचान बनाने वाले युवा साथी ग्रुप हरियाणा के सचिव टिंकू प्रधान को रविवार को राष्ट्रीय सामाजिक संगठन ने कुरूक्षेत्र में बेस्ट सामाजिक कार्यों के लिए नेशनल अवार्ड के साथ सम्मान दिया। नेशनल सोशल संगठन ने सामाजिक कार्यकर्ता को सम्मान करने का प्रोग्राम किया।

मांगों को लेकर चौकीदारों ने की बैठक

नारनौल। एजुसैट स्कूल चौकीदार संगठन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी की बैठक रविवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में जिला प्रधान धर्मपाल की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन जिला सचिव रूपचन्द ने किया। इस अवसर पर बैठक को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने संबोधित किया।

पेंशन संकल्प महारैली होगी ऐतिहासिकः अरविंद

महेंद्रगढ़। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम व पेंशन बहाली संघर्ष समिति की ओर से शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क के बाहर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर निमंत्रण अभियान चलाया गया। प्रधान अरविंद यादव ने बताया कि 11 को जींद के एकलव्य स्टेडियम में होने वाली पेंशन संकल्प महारैली ऐतिहासिक होगी।

राधा-कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। राधा-कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 54वीं प्रभात फेरी मोहल्ला मिश्रवाड़ा से प्रातः सात बजे धूमधाम से निकाली गई। प्रभातफेरी यजमान राधे संघी के निवास स्थान से प्रारंभ होकर सत्यनारायण मंदिर, पुस्तक गली, मानक चौक होते हुए यजमान के आवास पर पहुंची।

स्वयंसेविकाओं ने किया श्रमदान

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के द्वारा पटीकारा गांव के शहीद स्मारक में श्रमदान के साथ चौथे दिन का आरंभ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. ममता शर्मा, प्रो. साधना यादव व प्रो. सुमन यादव ने अनुशासन के बारे में विस्तार से बताया।

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन होती है औसतन 300 ओपीडी, 65 गांव के लोग आते हैं

सर्दी के मौसम में नागरिक अस्पताल में नहीं है 100 प्रकार की दवाई, मरीजों को उठानी पड़ रही है परेशानी

मोटी राशि खर्च कर दवाईयां खरीदने के मजबूर हैं इलाज कराने आए मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

प्रदेश के सबसे पुराने जिले में शुमार महेंद्रगढ़ जिले के नागरिक अस्पताल में करीब एक माह से दवाईयां नहीं होने के कारण मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं है। सर्दी के मौसम में खांसी, जुकाम सहित अन्य करीब 100 दवाई नहीं होने के कारण अस्पताल आने वाले मरीजों की परेशानी ओर अधिक बढ़ गई हैं। मरीज को अपनी जेब से मोटी राशि खर्च कर दवाईया खरीदने के मजबूर हैं। नागरिक अस्पताल में मरीजों को डॉक्टर द्वारा लिखी जाने वाली दवाइयां पूरी नहीं मिलती है। मजबूरी में उन्हें दवाइयां बाहर मेडिकल स्टोर से खरीदनी पड़ती हैं। हर दिन मरीजों को दवाइयां लेने के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। अस्पताल में पर्याप्त दवाइयां न मिलने पर गरीब लोगों को कई बार तो बिना दवा खरीदे ही वापिस लौटना पड़ता है। जिससे उनका इलाज ठीक से नहीं हो पाता है। नागरिक अस्पताल में फिलहाल स्थिति यह है कि 476 में से 100 प्रकार की दवाईयां नहीं है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर के नागरिक अस्पताल में मरीजों को कैसी सुविधाएं मिलती होगी।

5 लाख लोग अस्पताल पर निर्भर

बता दें कि वर्ष 2019 में क्षेत्र के लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उप नागरिक अस्पताल में दर्जा बढ़ाकर महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल का दर्जा दिया था। इसके बाद बेहतर सुविधाओं के लिए भवन का अभाव नजर आने लगा तो नए भवन के लिए 26 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी मिली। 10 जुलाई 2021 को नए भवन निर्माण का शिलान्यास का काम शुरू किया गया। महेंद्रगढ़ के नागरिक अस्पताल में सुविधाएं नहीं होने के कारण खंड के 65 गांव की करीब 5 लाख की आबादी को निजी अस्पताल से मंहगी स्वास्थ्य सुविधा लेने को मजबूर हैं। इसके अलावा आमजन को नागरिक अस्पताल के लिए भी अभी लंबा इंतजार करना पड़ सकता हैं। वर्तमान में भवन के निर्माण कार्य तेजी के साथ चल रहा हैं। वहीं नागरिक अस्पताल में बनने वाले ऑक्सीजन प्लांट का कार्य शुरू हो चुका हैं।

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल का भवन।

नहीं है दवाईयां

शहर के नागरिक अस्पताल में दवाईयां का अभाव हैं। मरीजों को चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाईयां बाहर से महंगी कीमत पर खरीदनी पड़ रही है। सर्दी का मौसम होने के कारण अस्पताल में खांसी, जुकाम, बुखार, गैस, शुगर जैसी तक की दवाईयां नहीं है।

जर्जर भवन में चल रहा है अस्पताल

नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ में प्रतिदिन औसतन 300 ओपीडी होती हैं, लेकिन यहां चिकित्सक नहीं होने के कारण मरीजों को इलाज के लिए गुरुग्राम, रोहतक, जयपुर जाना पड़ता है। इसके अलावा नागरिक अस्पताल के पुराने भवन में जगह का अभाव होने के कारण मजबूरीवश क्वार्टरों में बैठकर मरीजों की जांच करनी पड़ रही है। भवन के अभाव में अनेक सेवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान में लैब भी पुराने अस्पताल के रिहायशी भवनों में चल रही हैं। मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों को भी उम्मीद है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस इस सात मंजिला भवन व ट्रामा सेंटर के बनने के बाद लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला आज

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 29 जनवरी को जिला महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी, झज्जर के आईटीआई पास छात्रों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि हरियाणा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार 29 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न कंपनियां भाग लेकर आईटीआई पास छात्रों का चयन करेगी। उन्होंने बताया कि कुछ कंपनियों की ओर से आईटीआई के अलावा पॉलिटेक्निक डिप्लोमा धारकों का चयन भी किया जाएगा। राजकीय आईटीआई के शिक्षुता एवं प्लेसमेंट अधिकारी सुदर्शन कुमार ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले सभी छात्र अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं।

नवंबर से डिपो में खड़ी 21 बीएस-6 नई बसें

नारनौल डिपो में आई बसें पासिंग के अभाव में फांक रही धूल

पहले बजट की आई कमी, अब बसों के इंश्योरेंस एवं पासिंग पासिंग में हो रही देरी से लोगों में बढ़ी निराशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। रोडवेज कर्मशाला में खड़ी रोडवेज की नई बसें। *फोटो : हरिभूमि*

रोडवेज बस डिपो को नई बसें मिलने की जितनी खुशी हुई थी, वह इन बसों के इंश्योरेंस एवं पासिंग में देरी होने से काफूर हो चुकी है। करीब डेढ़ दो महीनों से 21 नई बसें रोडवेज कार्यशाला में धूल फांक रही हैं, जबकि जिलेभर में विभिन्न रूटों पर बसों की कमी होने से संवारियों को परेशानी हो रही है।

उल्लेखनीय है कि नारनौल डिपो को जून में 30 नई बसें मिलनी थी, लेकिन पहले तो इनके मिलने में देरी हुई और अब इनके इंश्योरेंस एवं पासिंग में दिक्कतें आ रही हैं। जून में 10 नई बसों के अलावा 10 एसी बसें भी मिली थी। तत्पश्चात नवंबर मास में नौ और बसें मिली। इन सभी बसों को विभिन्न रूटों पर उतारा जा चुका है, लेकिन नवंबर की शुरूआत में किस्तों में मिली 21 बसों को अब तक रूट पर नहीं उतारा जा सका है।

कमाल की बात है कि महज सप्ताह-दस दिन में इन सभी बसों का इंश्योरेंस एवं पासिंग हो जानी चाहिए थी, लेकन अब तक यह बसें इन मूल कागजातों के अभाव में रोडवेज कर्मशाला में कबाड़ की बसों के साथ खड़ी धूल फांक रही हैं। गौर करने वाली बात है कि नवंबर से अब जनवरी बीतने को आ चुकी है, लेकिन कागजात अब तक नहीं बन पाए हैं। यह असफलता डिपो के उच्चाधिकारियों की असफलता है या कुछ ओर, यह तो वही बेहतर जाने, लेकिन यात्रियों को बसों की कमी से परेशानी हो रही है।

बजट की भी रही परेशानी

जब 21 नई बसें नवंबर की शुरूआत में ही मिल गई थी, तब इन बसों का इंश्योरेंस नहीं हो पाया था। इसका मूल कारण बजट की कमी होना बताया गया। जब कहीं नई रोडवेज बसें भेजी जाती हैं तो रोडवेज हैडक्वार्टर से ही उन बसों का इंश्योरेंस करवाया जाता है। शुरूआत में बजट नहीं होने का हवाला दिया गया। फिर इंश्योरेंस कंपनी का खाता बंद होने की परेशानी आई और ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर नहीं हो पाए। यह परेशानी दूर करने के लिए हैडक्वाईटर ने इंश्योरेंस के पैसे नारनौल डिपो भेजे, जिसके उपरांत नारनौल में इंश्योरेंस की रकम का डीडी तैयार करवाया गया और फिर यहां से उसे इंश्योरेंस कंपनी के प्रदेश मुख्यालय में बाईहैंड जमा करवाया गया। इस पर अब बसों का इंश्योरेंस तो हो गया है।

पासिंग अब भी बाकी

इंश्योरेंस होने के बाद नई बसों की पासिंग अब भी बकाया है। गत बुधवार 24 जनवरी को पासिंग का दिन निर्धारित किया था, लेकिन उस दिन रोडवेज की हड़ताल होने तथा आरटीए के एमवीआई नहीं होने एवं रोडवेज का फोरमैन नहीं होने के कारण यह संभव नहीं हो पाया। आरटीए सप्ताह में केवल एक ही दिन वाहन पासिंग करता है। इस कारण एक सप्ताह और डेट खिसक गई।

बसों की स्थिति

नारनौल डिपो में इस समय रोडवेज की 122 बसें तथा 20 बसें किलोमीटर स्कीम की चल रही हैं। यदि 21 नई बसें और शामिल हो जाती हैं तो इनकी संख्या बढ़कर 163 हो जाएगी। वैसे इस साल 2024 में इस डिपो की 20 बसें समयावधि नियम के चलते कंडम हो जाएंगी।

रोडवेज डिपो प्रधान ने जताई नाराजगी

नारनौल डिपो प्रधान अनिल भीलवाड़ा ने देरी पर नाराजगी जताते हुए बताया कि मुख्यालय चंडीगढ़ ने नारनौल डिपो को बीएस-6 मॉडल की 30 नई बसें मई जून महीने में देना निर्धारित किया था, लेकिन यह बसें नवंबर महीने में आना शुरू हुई। 9 बसें नवंबर महीने में आते ही ऑन रोड हो गई थी, लेकिन 21 बसें दिसंबर एवं जनवरी महीने का अंत आते-आते भी आज तक ऑन रोड नहीं हो पाई हैं, क्योंकि इन नई बसों की पासिंग नहीं करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि महाप्रबंधक नारनौल के पास नारनौल डिपो के अलावा दादरी डिपो का भी एडिशनल चार्ज है, जिस कारण वह नारनौल डिपो को पूरा टाइम नहीं दे पा रहे हैं और न ही बसों को ऑन रोड कर पा रहे हैं। बसों की कमी के कारण काफी रूट प्रभावित हो रहे हैं। नारनौल से कनीना वाया सिहमा-दौंगड़ा शाम को 3 बजे हरियाणा रोडवेज की बस है, उसके लगभग 4 घंटे बाद 6 बजकर 45 मिनट पर ही हरियाणा रोडवेज की बस का टाइम है, जिस कारण इस रूट पर भीड़ का जमावड़ा बना रहता है। इससे प्राइवेट ऑपरेटर की चांदी हो रही है।

यह कहते हैं अधिकारी

नारनौल डिपो के पीएमए इंचार्ज भूपेंद्र यादव ने बताया कि बीएस-6 मॉडल की 21 बसों का इंश्योरेंस हो चुका है तथा अब पासिंग करवाना शेष है। पासिंग के लिए संबंधित अधिकारियों से बात हो चुकी है। एक-दो दिन में इन सभी बसों की पासिंग हो जाएगी। पासिंग होने पर इन बसों को विभिन्न रूटों पर उतार दिया जाएगा, जिससे यात्रियों की सहूलियत में बढ़ोतरी हो सकेगी।

प्राण प्रतिष्ठा ने लोगों एक सूत्र में बांधा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को बड़ा बाग में समर्थकों सहित भारती सैनी ने सुना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुनती भारती सैनी व उनके समर्थक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साल 2024 में रेडियो प्रोग्राम मन की बात की पहला कार्यक्रम रविवार को हुआ। यह मन की बात का 109वां एपिसोड कर प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित किया। इस कार्यक्रम को सुनने के लिए भाजपा जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं नप की पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी ने शहर में बड़ा बाग में बाबूलाल आवास समर्थकों के साथ एकजुट हुई। प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने के बाद जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में वोटर्स के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक स्तर पर भी प्रयास करने को कहा। वो वोटर लिस्ट में अपना नाम जरुर जुड़वाएं।

महिलाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार 13 महिला एथलीट को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इन महिला एथलीट ने अनेक बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया और भारत का परचम लहराया। मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने कहा इस बार परेड में मार्च करने वाले 20 दस्तों में से 11 दस्ते महिलाओं के ही थे। जो झांकी निकली, उसमें भी सभी महिला कलाकार ही थीं। उन्होंने अपने संबोधन में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा कि देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है।

सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम, 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने रामज्योति जलाई। दिवाली मनाई। इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के हमारे संकल्पों का भी बड़ा आधार है।

खेल से होता शारीरिक और मानसिक विकास

महेंद्रगढ़। रिबन काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव डुलाना में दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार से हो गया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला अध्यक्ष कंवर सिंह यादव ने रिबन काटकर किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यातिथि का फूलमाला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। मुख्यातिथि कंवर सिंह यादव ने कहा कि खेल से हमारा मानसिक और शारीरिक दोनों विकास होता हैं। खेलों से तनाव घटता है, खेल सफलता के लिए अवसर प्रदान करते हैं तथा एक खिलाड़ी में आत्मविश्वास पैदा कर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करते हैं। ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं से ही निकल कर गांव के खिलाड़ी राष्ट्रीय और राज्य की टीम में हिस्सा लेते हैं। इसलिए समय-समय पर ऐसे आयोजन गांव में होते रहने चाहिए। कमेटी प्रधान विकास व देवेंद्र ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लगभग 15 टीम हिस्सा ले रही है।

स्कॉलरशिप टेस्ट में 3762 बच्चे हुए शामिल

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में रविवार को एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में 3762 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को विद्यालय आने में किसी समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन समिति ने बस सुविधा प्रत्येक गांव और प्रत्येक क्षेत्र के लिए उपलब्ध करवाई। स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन सुबह 11 से 12:30 बजे तक किया गया। परीक्षा में 100 बहुविकल्पी प्रश्न पूछे गए, जिनका कोई नकारात्मक अंकन नहीं था। प्रत्येक प्रश्न का एक नंबर निर्धारित किया गया। मंच संचालित अंग्रेजी भाषाविद मयूरिश शर्मा और कुलदीप शर्मा ने किया। प्रबंधन निर्देशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हैप्पी स्कूल स्कॉलरशिप के तहत शानदार योजनाएं लेकर आया है।

खासपुर में किया धार्मिक लाइब्रेरी का उद्घाटन

नारनौल। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव खासपुर के मंदिर में हरिपाल लेक्चर के सहयोग से बनी धार्मिक लाइब्रेरी का रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा कि हरिपाल प्रवक्ता ने बहुत ही अच्छी पहल की शुरूआत की है कि कलयुग में एक धार्मिक लाइब्रेरी जनता को समर्पित कर युवा पीढ़ी को हमारे शास्त्रों से रूबरू होने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक लाइब्रेरी में हमारे ग्रंथ व अन्य धार्मिक पुस्तक के पढ़कर आने वाली पीढ़ी में संस्कार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि आज की पश्चात संस्कृत में युवा अपने मार्ग से भटक रहा है। उन्हें जरूरत है हमारे धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने की, ताकि वे अपने अच्छे जीवन जीने की राह को समझ सकें।

राज्यमंत्री ने विकास कार्यों को लेकर ली अधिकारियों की बैठक

शहर में विकास कार्यों को लेकर किया मंथन

- जिला नगर आयुक्त वैशाली सिंह, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी रही मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। शहर में विकास कायार्ें के लिए बैठक करते राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव।

राजनीति में एक-दूसरे के विरोधी होकर आमने-सामने दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ा। दोनों बार भाजपा के ओमप्रकाश यादव ने जजपा नेत्री कमलेश सैनी को मात दी। इसके बाद कमलेश सैनी ने भाजपा-जजपा गठबंधन में मिली टिकट वापस हो जाने के बाद नगर परिषद प्रधान का चुनाव निर्दलीय लड़ा और भारी बहुमत से जीत हासिल की।

इस चुनाव में भी कमलेश सैनी को हराने के लिए ओमप्रकाश यादव ने ऐठी चोटी का जोर लगाया। लेकिन अब हालात बदल गए है। नारनौल शहर की प्रधान कमलेश सैनी है और राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव के हलके में यह शहर आता है।

ऐसे में एक-दूसरे के राजनीति विरोधी ओमप्रकाश यादव व कमलेश सैनी शहर में विकास कार्यों को लेकर एक मंच पर आ गए है। यह नजारा रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में दिखा। जहां राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने शहर में विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों की बैठक बुलाई। इस बैठक में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने भी शहरहित में अपनी पूरजोर राय रखी। बैठक में जिला नगर आयुक्त वैशाली सिंह भी मौजूद रही।

सफाई व्यवस्था की समीक्षा की

इस अवसर पर राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने सबसे पहले शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा संसाधनों में अगर कोई कमी है तो बताया जाए ताकि सरकार से और संसाधनों की डिमांड की जा सकें। उन्होंने कूड़ा प्रबंधन के निस्तारण के बारे में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों की मरम्मत का कार्य लगातार जारी रहना चाहिए। सभी पार्षदों की सहमति से उनके वाडार्ें की जरूरत के अनुसार विकास कार्य करवाए जाएं। राज्यमंत्री ने सीवरेज व पेयजल के संबंध में कहा कि अमृत टू योजना के तहत जो नए गांव जुड़े है, उनमें सीवरेज में पेयजल का कार्य होगा। उन्होंने शहर की स्ट्रीट लाइटों के संबंध में भी दिशानिर्देश दिए कि जल्द से जल्द शहर की सभी स्ट्रीट लाइटों को ठीक किया जाए। इसके अलावा उन्होंने शहर के सभी पाकार्ें के रखरखाव के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी विकास के लिए सरकार लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य करवा रही है। इन सभी कायार्ें को अधिकारी जल्द से जल्द सिरे चढ़ाए ताकि आम नागरिकों को इसका फायदा मिले।

गोपियों का वियोग - वर्णन , वर्णन के लिए ही है उसमें रिस्थितियों का अनुरोध नहीं है । राधा या गोपियों के विरह वह तीव्रता और गंभीरता नहीं है जो समुद्र पार अशोक जन में बैठी सीता के विरह में है ।

-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

ऐसा नहीं था कि मम्मी को मेरे इस हुनर का पता नहीं था पर दादा-परदादा के समय से ही मेरे घर में केवल पढ़ाई को ही तवज्जो दी जाती रही है। कला और संगीत तो चंद समय के लिए बोरियत से उबारने के साधन रहे थे। इन विषयों में कोई उपलब्धि पाना पापा के लिए कोई मायने नहीं रखता था।

कहानी | **डॉ. कविता विकास**

ऑल राउंडर

नहीं.. तुम मेरे फैसले के विरोध में नहीं जा सकते। अभी इस काबिल नहीं हुए हो कि बड़े-बड़े निर्णय लेने लगो। पापा का सख्त, सपाट उत्तर सुनकर बड़ी निराशा हुई। बात दरअसल यह थी कि मैं दसवीं के बाद साइंस स्ट्रीम छोड़कर आर्ट लेना चाहता था। ड्राइंग और पेंटिंग में मेरी रुचि थी। मैंने पापा के समक्ष एक और दलील दी, 'आज कल हर स्ट्रीम में सम्भावनाएं हैं।

अपने शौक को पूरा करने का अभी ही तो मौका है।' पर पापा कहाँ सुनने वाले थे! विद्यालय के प्रत्येक वार्षिक महोत्सव में मेरे नाम कई मेडल और पुरस्कार होते थे,पर इसकी खुशियां बांटने के लिए घर में कोई नहीं। पापा पेंटिंग को एक तुच्छ विषय मानते थे। मेरा बड़ा भाई अमित पढ़ाई में बहुत अच्छा था और मैं बिलकुल साधारण। अमित भैया पापा की आँखों का तारा थे। वे अक्सर उनका उदाहरण देते, 'अमित ने इस बार भी अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इसके कारण समाज में लोग मुझे इज्जत की नज़र से देखते हैं।'यह वाक्य मैं पापा की जुबां से तब से सुनता आ रहा हूँ जब से मैंने नर्सरी में दाखिला लिया था। अमित मुझसे पांच साल बड़ा था। मुझे बेहद प्यार करता था। कभी-कभी पापा मेरे लिए ड्राइंग की कॉपी लाने में आना-कानी करते तो वह अपनी ज़िद से मंगवा देता था।

गणित मुझे बहुत उबाऊ विषय लगता। कक्षा में जब गणित की पढ़ाई होती रहती, मैं चुपचाप अंतिम पेज में ड्राइंग बनाता रहता। एक बार तो मैंने सर की हुबहू सूरत बना दी। यह बात तभी से हवा की तरह फ़ैल गयी कि आनंद बहुत अच्छा चित्रकार है।

ऐसा नहीं था कि मम्मी को मेरे इस हुनर का पता नहीं था पर दादा-परदादा के समय से ही मेरे घर में केवल पढ़ाई को ही तवज्जो दी जाती रही है। कला और संगीत तो चंद समय के लिए बोरियत से उबारने के साधन रहे थे। इन विषयों में कोई उपलब्धि पाना पापा के लिए कोई मायने नहीं रखता था। मम्मी दबी जबान में मेरी तरफदारी करतीं पर इसमें भविष्य बनाना एक जोखिम भरा निर्णय समझती थीं। अक्सर माँ कहतीं, 'बेटा एक पेंटर बनकर तुम कैसे जीवन चला पाओगे? इसमें कोई निश्चित आय नहीं है। हमारे देश में इसका कोई भविष्य नहीं। 'मैं बड़े पेसोपेश में उनके इस तर्क के सामने निरुत्तर हो जाता। आखिर माँ गलत भी नहीं थीं।

दसवीं के बाद पापा के थोपे हुए आदेश के कारण मुझे अपना पसंदीदा विषय छोड़कर गणित और विज्ञान लेना पड़ा। ऐसा नहीं था कि मैं साइंस में कच्चा था, बस पसंद की बात थी। बारहवीं में कड़ी मेहनत की। अमित भैया की तरह टॉप तो नहीं किया पर उम्मीद से ज्यादा अच्छे परिणाम आये। इस दौरान मेरे रंग, पेंसिल, कलर, ब्रश आदि एक बक्से में बंद हो गए थे। पापा ने सख्त हिदायत दे रखी थी कि बारहवीं तक इन्हे छूना नहीं है।

बारहवीं के बाद मेरा दाखिला बंगलोर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ। हॉस्टल जाते वक्त माँ ने मेरे कपड़ों के बक्से में चुपचाप मेरा पेंटिंग किट रख दिया । बंगलोर की मोहक वादियों में मेरे अंदर का छुपा चित्रकार फिर जाग उठा। एक बार फिर से हाथों ने ब्रश और पेंट थाम लिया। देखते-देखते मेरा कमरा जिसमे एक और सहपाठी रहता था, हॉस्टल का सबसे सुन्दर कमरा हो गया। दीवारों पर लगे नयनाभिराम चित्र और पोस्टर सभी को बेहद भाते थे। पहला और दूसरा साल समाप्त हो गया। छुट्टियों में घर जाता तो पापा काफी खुश नज़र आते। कॉलेज से फीड बैक जाता कि मैं क्लास के श्रेष्ठ छात्रों में से एक हूँ। तीसरे साल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना था जिसके कारण गर्मी की छुट्टियों में मुझे हॉस्टल में ही रहना था। यूँ तो बंगलोर में गर्मी ज्यादा नहीं पड़ती फिर भी दोपहर बड़ा लंबा लगता। मेरे रूम पार्टनर की कमी खलती थी। उसकी अनुपस्थिति में दोपहर में बहुत बोरियत होती। इन्ही दिनों हॉस्टल में लिपाई-पुताई का काम भी हो रहा था। मेरा कमरा पहले तल्ले पर था। डिस्टेंपर के कारण कॉरिडोर बड़ा सुन्दर लगता था।

एक दिन दोपहर में मैंने अपने कमरे के बगल वाली दीवार पे एक सुन्दर चित्रकारी कर डाली और रंग भी भर दिया। अंदर ही अंदर डर रहा था कि हॉस्टल इंचार्ज से इज़ाज़त लिए बिना ऐसा किया है, कहीं डाँट न पड़े, पर तीन दिनों तक वे राउंड पर नहीं आये। इस बीच मैंने पूरे कॉरिडोर में चित्रकारी कर दी। चौथे दिन रात में इंचार्ज सर राउंड पर आये। उस समय रात के नौ बजे थे। लड़के तो कम ही थे और सभी अपने-अपने कमरों में थे। कॉरिडोर की मद्धम रौशनी में दीवारों पर के चमकते हुए रंगों में उकेरे पेड़-पौधे, देवता, नदी, पहाड़-सूर्य मानो जीवित हो उठे। धीमी रौशनी में नहाते गहरे चमकीले रंगों में सजी दीवारों पर इंचार्ज सर मंत्रमुग्ध हो गए थे। दूसरे दिन मुझे कॉलेज बुलाया गया। लम्बी दुपहरिया में मुझे दीवारों पर रंग भरते फर्स्ट फ्लोर के सफाई कर्मचारियों ने देखा था, जिन्होंने इस छिपे आर्टिस्ट की जानकारी सर को दे दी थी। मुझे सर ने सख्त निर्देश दिया कि बाकी के दो तल्लों की दीवारों को भी ऐसी ही चित्रकारी से भर दो ताकि देखने में सभी एक से लगें। डाँट की आशंका अब नहीं थी। चित्रकारी तो मेरा जुनून था। चार दिनों के अंदर वे दो तल्ले भी खूबसूरत बन गए।

गर्मी की छुट्टियाँ ख़त्म हो गयीं। लड़के वापस आ गए थे। हॉस्टल के नए रूप ने सबका मन मोह लिया और गुमसुम सा रहने वाला मैं अचानक उनका हीरो बन गया। कॉलेज के वार्षिकोत्सव की तैयारी आरम्भ हो गयी। माता-पिता को आमंत्रण भेजा गया था। पेरेंट्स की उपस्थिति में वर्षभर की विशेष उपलब्धियों के लिए योग्य छात्रों को पुरस्कार वितरण किया जाता था। टाई-कोट के विशेष ड्रेस-कोड में मैं पापा-मम्मी के बीच में बैठा कार्यक्रम का आनंद ले रहा था। पापा न चाहते हुए भी बोल उठे, 'स्कूल या कॉलेज का शायद ही ऐसा कोई उत्सव रहा होगा जब अमित को पुरस्कार न मिला हो।' मैंने कहा 'पापा, अमित भैया से मेरी क्या तुलना, भैया तो घर की शान हैं। मैं उनकी तरह नहीं बन पाया, इस बात का मलाल तो मुझे भी है।' खैर, जीवन में पहली बार पापा मेरे किसी कार्यक्रम में आए, यही क्या कम था! विभिन्न श्रेणियों में हुई प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया जा रहा था।

> *"पढ़ाई में उत्तम होने के साथ-साथ कला को भी आत्मसात करने वाला यह शख्स और कोई नहीं, अपना आनंद मल्होत्रा है।' मैं इस अप्रत्याशित उद्घोषणा के लिए तैयार नहीं था, सो जड़वत हो गया। पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। मेरे साथियों ने मुझे गोद में उठाकर स्टेज पर पहुंचाया। मैंने मुख्य अतिथि के साथ-साथ मंचासीन सभी विशिष्ट व्यक्तियों के पांव छुए। उनसे आग्रह किया कि मैं अपने पेरेंट्स को भी मंच पर बुलाना चाहता हूँ। उनकी स्वीकृति मिलते ही पापा-मम्मी स्टेज पर आये। पापा ने मुझे गले से लगा लिया और तब तक अपने से चिपकाये रखा जब तक मुख्य अतिथि ने उनकी पीठ न थपथपायी। बेहद भावुक क्षण था वह मेरे लिए, कभी न भूलने वाला। पापा की आँखों से बहती अविरल धारा वर्षों की मेरी नाकामी को झुठला रही थी।"*

तभी एक उद्घोषणा हुई, 'पिछले दो सालों से हमने आल राउंडर का खिताब किसी को नहीं दिया। पर इस साल यह खिताब एक ऐसे शख्स को दिया जा रहा है जिसकी वज़ह से हमारे छात्रावास का कोना-कोना जगमगा गया है। गज़ब का जादू है उसके हाथों में, उसका लगन और परिश्रम अतुल्य है। पढ़ाई में उत्तम होने के साथ-साथ कला को भी आत्मसात करने वाला यह शख्स और कोई नहीं, अपना आनंद मल्होत्रा है।' मैं इस अप्रत्याशित उद्घोषणा के लिए तैयार नहीं था, सो जड़वत हो गया। पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। मेरे साथियों ने मुझे गोद में उठाकर स्टेज पर पहुंचाया। मैंने मुख्य अतिथि के साथ-साथ मंचासीन सभी विशिष्ट व्यक्तियों के पांव छुए। उनसे आग्रह किया कि मैं अपने पेरेंट्स को भी मंच पर बुलाना चाहता हूँ। उनकी स्वीकृति मिलते ही पापा-मम्मी स्टेज पर आये। पापा ने मुझे गले से लगा लिया और तब तक अपने से चिपकाये रखा जब तक मुख्य अतिथि ने उनकी पीठ न थपथपायी। बेहद भावुक क्षण था वह मेरे लिए, कभी न भूलने वाला। पापा की आँखों से बहती अविरल धारा वर्षों की मेरी नाकामी को झुठला रही थी।

(लेखिका शिक्षाविद् एवं झारखंड विमर्श पत्रिका की सम्पादिका हैं)

कविता | **लवली आनंद**

हमर अयोध्या में राम

उठु चालू वेगी अयोध्या धाम
प्राण मिलत उहा नयन जुरायत
सबसुख पायब रट राम के नाम।।

कर्म बिनु सब छूट ही जइहें
श्रम बिनु फल कहा मिलहु न पइहें
पर जे मन के बहारब सखी सुनु
तब मिल जइहें कोशल कुमार।।

हे धरणी हे अयोध्या माता
शत शत नमन रउवा के जननी
अंगना बुहारब, नगरी बुहारब
एक पल झलक जे पायब राम।।

कनक भवन अति सुंदर साजल
पर हृदय में बसे मनमोहक राघब
जनकसुता संग बैठ भवन में
अति प्रिय लगते सीताराम।।

सरयू सुंदर,रामबन सुंदर
लछमन के संग हनुमानगढ़ी सुंदर
पर जे मन के हर्षित करीहें
वो हैं प्रभु के राजिबलोचन।।

राम स्तुति दोहे | **अशोक कुमार ढोरिया**

आओ रघुपति धाम में,करके ऊँचा भाल।
स्वागत में हम आपके,लिए खड़े हैं थाल।।

हाथ जोड़ कब से खड़ा, लेकर प्रभु का नाम।
आकर दर्शन दीजिए, जय जय जय श्रीराम।।

राम नाम को जप रहे, राम भक्त हनुमान।
अब तो भगवन आ मिलो,वंदन करे जहान।।

बाल रूप श्रीराम का,जैसे चमके धूप।
लिए हाथ कोदंड वे, लगते बड़े अनूप।।

राम अवध में आ गए,ले अपना कोदंड।
कर्म धर्म को धारिये, दूर करो पाखंड।।

अवध विराजे राम हैं, बांट रहे उपहार।
खुश होकर सब लीजिए,कभी न होगी हार।।

नाम बड़ा है राम का, जाने ये संसार।।
सबके रक्षक हैं वही,जग के पालनहार।।

दीन हीन के सारथी, ऐसा दो उपहार।
झूठ कपट का नाश हो,सच की हो जयकार।।

बना अवध में धाम है, हर लब पर है राम।
सबको यही यकीन है, पूरे होंगे काम।

प्यासे नैन तरस रहे, दर्शन दो श्रीराम।
स्वागत में अब आपके,सजा अयोध्या धाम।।

मंदिर न्यारा बन रहा , दुनिया में अभिराम।
हर्षित कण कण हो गया,सजा राम का धाम।।

लघुकथा | **मोनिका राज**

रोज़मर्रा की जिंदगी

ओफ्फहो! यह फिजिक्स कितना बोरिंग है। मुझे बिल्कुल समझ नहीं आती। श्रेया ने अपना सिर पकड़ते हुए कहा।

'इधर आओ।' नीलेश ने कहा। 'अब बताओ, क्या समस्या है?'

श्रेया ने अपनी परेशानी नीलेश को बताई। 'बस, इतनी-सी बात है।', नीलेश ने मुस्कुराते हुए कहा।

फिर उसने श्रेया के हाथ से किताब लेकर उसे खुद से पढ़ाने लगा। श्रेया बड़े ध्यान लगाकर नीलेश की बातें सुन रही थी। बातों -हीं -बातों में कब पूरा चैप्टर उसने श्रेया को समझा दिया, पता हीं न चला। श्रेया ने लगभग कूदते हुए कहा, 'पापा, यू आर रियली ग्रेट! अब मुझे सारे कॉन्सेप्ट्स समझ में आ गए। पर, एक बात बताइये, मैं भी तो बहुत देर से यह सब समझने की कोशिश कर रही थी पर, मुझे क्यों समझ में नहीं आ रहीं थी ?'

'जब तक बस यूँ हीं पढ़ते रहोगे, वो बस किताबों तक हीं रह जायेगा, लेकिन जब आप उसे रोजमर्रा की जन्दिगी से सम्बंधित करके देखोगे तो तुम्हें सारे कॉन्सेप्ट्स अच्छे से समझ आ जायेंगे और तब न तो तुम्हें उनको रटने की झंझट होगी और न हीं भूल जाने का डर होगा। आयी बात समझ, गुड़िया रानी?' नीलेश ने उसे दुलराते हुए कहा।

नीलेश की बात श्रेया समझ चुकी थी। उसने सहमति में अपना सर हिलाया।

कविता | **गोविन्द भारद्वाज**

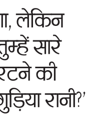

राम नाम का दीप जलाएं

राम नाम के दीप जलाएं,
नव उजियारा हम फैलाएं।

आए फिर से अवध बिहारी,
राजी कौशल्या माँ प्यारी।
देख-देख मन हर्षित होती,
कैकेई-सुमित्रा महतारी।

दीवाली हम आज मनाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

आज अयोध्या सज गई सारी,
नाच रहे हैं सब नर नारी।

ढोल - मृदंग बजे गली- गली,
श्याम रंग छवि लागे न्यारी।

भजन-कीर्तन मंगल गाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

राम बिराजे महल अटारी,
मर्यादा के शुचि अवतारी।
धनुष-बाण शोभा अति सुंदर,
हैं श्री राम सकल हितकारी।

सरयू जी भी नाच दिखाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

साहित्य समाज का दर्पण भी है तथा मार्गदर्शक भी है। साहित्य समाज के सरोकारों को ही अपना विषय बनाता है। समाज और व्यक्तिगत विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण सहभागिता है। समाज में उस क्षेत्र विशेष की संस्कृति फलती फूलती है। संस्कृति लोगों के लिए नैतिक मूल्यों को निर्धारित करता है, जिसका निर्वहन प्रत्येक मनुष्य के लिए अनिवार्य है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

समाज के विकास में साहित्य की अहम भूमिका: डा. रमाकांता

प्रदेश की सुप्रसिद्ध महिला साहित्यकार एवं आकाशवाणी की ग्रेडिड लोक गायिका डा. रमाकांता पिछले चार दशकों से समाज को एक सकारात्मक रूप से नई दिशा देने का प्रयास में गुणवत्ता के आधार पर साहित्य सृजन करती आ रही हैं। लोक साहित्य में समाहित संगीत, नाट्य, नृत्य तथा लोक गीतों के संकलन और शोध कार्य में जुटी काव्य एवं गीत लेखक डा. रमाकांता ने अपने लोक साहित्य एवं काव्य लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे तथ्यों का जिक्र किया है, जिससे कहा जा सकता है कि समाज और व्यक्तिगत विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. रमाकांता शर्मा का जन्म 15 जुलाई 1948 को करनाल जिले के घरौंडा में डा. जयदेव प्रसाद और शांति देवी प्रभाकर के घर में हुआ। उनका परिवार में पूरी तरह से साहित्यिक माहौल था, जहां उनकी माता ग्रामीण क्षेत्र की पढ़ी लिखी महिला थी और बड़ी बहन उर्मिलकांता शर्मा उस समय पंजाब भाषा विभाग की प्रसिद्ध कवयित्री थी, जो विभाग में सभी प्रतियोगिता में हिंदी कविताओं में पुरस्कार हासिल करती रही है। साल 1956 में जब रमाकांता कक्षा तीन में थी, तो उन्होंने खुद लिखी एक कविता स्वतंत्रता दिवस पर पढ़ी तो उसे विद्यालय के मुख्याध्यापक ने पुरस्कार के रूप में एक चांदी का रुपया इनाम में दिया, जो आज भी उन्होंने अभी तक धरोहर के रूप में सुरक्षित रखा हुआ है। इसके बाद वे स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी, पंजाबी और उर्दू भाषाओं में काव्य प्रतियोगिताएं जीती और स्वरचित कविताएं तत्कालीक कॉलेज मैग्जीन तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। बकौल रमाकांता नौकरी में आने के बाद उन्होंने कला(फाइन आर्ट) तथा संगीत विषय का अध्यापन किया, वैसे भी विरासत में मिले साहित्यिक माहौल के कारण बचपन से कला, संगीत व साहित्य से रहे संबन्ध के कारण उन्होंने असंख्य गीत व कविताएं लिखी। उनकी साहित्यिक विद्या काव्य सृजन है, लेकिन उन्होंने गद्य व पद्य सभी विधाओं में साहित्य सृजन किया, जिनके विस्तृत लेखन क्षेत्र में कहानी, कविता, लघुकथा, नाटक, आलोचना, समीक्षा अनुवाद तथा संपादन जैसी विधाएं शामिल हैं। जिसकी बदौलत उनकी हरियाणवी भाषा, हरियाणवी संस्कृति (लोक साहित्य) तथा हिंदी गद्य व पद्य में करीब तीन दर्जन पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। डा. रमाकांता ने प्रसिद्ध साहित्यकारों की लघुकथा तथा कहानियों की पुस्तकों का हरियाणवी में अनुवाद भी किया है। वहीं उन्होंने स्वयं अपनी कुछ हिंदी लघुकथाओं का मैथिली, पंजाबी तथा बुंदेली में अनुवाद किया है। इसके अतिरिक्त अंग्रेजी में अनुवाद का संपादन भी किया। उन्होंने 250 लघुकथाओं, 50 कहानियों, करीब 20 नाटक तथा करीब 500 कविताओं का सृजन कर पाठकों को नई दिश डा. रमाकांता ने हरियाणवी संस्कृति संवर्धन की दिशा में लोक पर्व, ऋतुमास उत्सवों की वीडियोग्राफी एवं वृत्तचित्र में भी लोकगीत लेखन, संकलन, गायन और संगीत निर्देशन की भूमिका भी निभाई है। इनमें हरियाणा सरकार की योजनाओं के प्रचार व प्रसार के लिए तैयार वृत्तचित्रों में नृत्य, अभिनय और गायन से संस्कृति के क्षेत्र में अपना योगदान देने वाली रमाकांता ने दूरदर्शन पर प्रयोजित 'बोल हमारे गीत तुम्हारे' तथा 'अजब-अजूबे' शीर्षक से प्रायोजित कार्यकमों के 13-13 एपीसोड में गीत लेखन और गायन की कला की छटाएं भी बिखेरी हैं। वहीं हरियाणवी संस्कृति पर आधारित सुरंग, द गैस्ट तथा थाल जैसी वेबसीरिज तथा लघुफिल्मों में अभिनय की भूमिका भी निभाई है।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. रमाकांता ने हिन्दी उपन्यासों में असामान्य पात्र, मधुकांत की एकादश शैक्षिक कहानियाँ, नाथ संप्रदाय का अध्ययन, मधुकांत की व्यंग्यात्मक कहानियों की समीक्षा, लघु कथा संग्रह कथा मंजरी, कविता संग्रह काव्य-कुंज, कविताएं बालगीत, काव्य संग्रह वन्दन माटी का, बाल एवं किशोर साहित्य,और महक रिश्तों की जैसी कृतियां पाठकों के सामने पेश की हैं। हरियाणवी लोक साहित्य में लघुकथा संग्रह माल्लक देक्खै सै, नाटक संग्रह कोथली आदि पुस्तके शामिल हैं।

डॉ. रमाकांता शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

डा. रमाकांता शर्मा को कई दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें प्रमुख रूप से भारत भूषण सम्मान, महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, काव्य पाठ सम्मान, हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हिन्दी साहित्यरत्न सम्मान, अमूल्य वृद्ध सम्मान, साहित्य सोम सम्मान पत्र, विवेकानन्द शिक्षारत्न सम्मान, डॉ0 राधाकृष्णन सम्मान, रक्तदान सृजन सेवा सम्मान, वूमैन पॉवर अवार्ड, 'श्रमिका श्री' सम्मान, प्रज्ञा साहित्यिक सम्मान एवं प्रज्ञा साहित्य सृजन सम्मान शामिल हैं। वहीं उन्हें साहित्य चेतना यात्रा सम्मान, निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य रत्न सम्मान, सरतीदेवी मित्तल स्मृति सम्मान, लाजवन्ती चावला

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. रमाकांता शर्मा
जन्मतिथि: 15 जुलाई 1948
जन्म स्थान: घरौंडा (करनाल)
शिक्षा: एमए, पीएचडी (हिन्दी), पीएचडी (संगीत), बीएड (गोल्डमैडल),एलएलबी।
संप्रति: सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी, सेवानिवृत्त सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग बीएमयू, रोहतक।

आशावादी जीवन की प्रेरणा 'नई सोच-नये रंग'

पुस्तक समीक्षा | **शशि कांत चौहान**

नई सोच नये रंग लघु कविता संग्रह के माध्यम से कवि डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने पाठकों को कुल 115 कविताओं के माध्यम से आशावादी जीवन जीने, सामाजिक विसंगति, प्रकृति प्रेम और कोरोना जैसी त्रासदी का सजीव चित्रण किया है। वहीं प्रेम की परिभाषा व जीवन की छोटी-छोटी बातों को गंभीरता से प्रस्तुत किया है। अपने काव्य संग्रह के शीर्षक के साथ भी उचित न्याय किया है। विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालती लघु कविताओं में अधिकांश जीवन से संबंधित है। 'जीवन में बहार' कविता के माध्यम से कवि ने बताया है कि जीवन तभी सार्थक होगा जब उसमें मजबूत इरादे और हौसले हो। 'चुनौतियों का सामना' कविता में कवि ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में चुनौतियां आती हैं। उन चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्प, संघर्ष, शांत स्वभाव तथा उद्देश्य की स्पष्टता का होना जरूरी है। 'कितने रंग बिखरे जीवन में' कवि ने जीवन के प्रति आशा का दृष्टिकोण पर बल दिया है। इनकी कविताएं लक्ष्य व नई उड़ान कविता लोगों में आशावादी दृष्टिकोण पैदा करती है। इसी प्रकार 'आओ थाम लें उम्मीद' कविता में कवि का संदेश है कि जीवन को आगे बढ़ाने के लिए उम्मीद की आवश्यकता है। ऊंचे सपनों की कामना कविता महत्वाकांक्षा पर बल देती है। वहीं दूसरी ओर इस पुस्तक में 'अपना देश', 'वीरों का शौर्य', 'राष्ट्रीय ध्वज' में कवि ने देश प्रेम की भावना को जागृत कर रहे हैं। इन कविताओं में देश प्रेम की झलक दिखती है। 'वीरों का शौर्य' में देश पर कुर्बान होने वाले शहीदों के बारे में लिखा है। इन कविताओं में भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं पर बहुत ही सुंदर तरीके से प्रकाश डाला गया है। 'भरे सूने जीवन में रंग' कविता आशावादी भावों से ओतप्रोत कविता है। कवि ने जीवन के विविध आयामों को शब्द चित्र के माध्यम से कैनवास पर उकेरने का काम बहुत ही शानदार तरीके से किया है। इनमें 'जीवन है सूखे पत्तों की तरह' कविता में उपमा अलंकार के माध्यम से जीवन की नश्वरता का चित्र उकेरने का प्रयास किया है। 'देखो कल का सूरज' कविता सकारात्मक सोच और आशावादी चिंतन से अनुप्राणित है। हर कविताएं एक नए संदेश व नई ऊर्जा प्रदान करती है। सरस, सुबोध व प्रवाहमयी भाषा इस पुस्तक की विशेषता है, जो बेहतर जीवन जीने का संदेश देती है।

पुस्तक : नई सोच-नया रंग
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

जीवन जीने की सीख देती 'अमीबा एवम् अन्य कविताएँ'

पुस्तक समीक्षा | **नृपेन्द्र अभिषेक नृप**

डॉक्टर संतोष पटेल अपनी कविता संग्रह 'अमीबा एवम अन्य कविताएँ' के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं पर अलख जगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने इस पुस्तक के द्वारा विभिन्न समस्याओं पर अपनी कलम के माध्यम से जोड़दार प्रहार किया है। इस पुस्तक में एक तरफ जहाँ बहुजन समाज की जिंदगी के कई गुमनाम पहलुओं को केंद्र में रखा है वहीं प्रेम, भाईचारे, गांधीवादी विचार, अंबेडकर के विचारों से सुसज्जित मुद्दों पर भी कलम तोड़ी गई है। संग्रह की पहली कविता 'रेगिस्तान के फूल' में कवि ने आम जीवन की बात किया है। जिस तरह से प्रकृति फूलों को उपजा देती है, ठीक वैसे ही जीवन में खुशियों की इमारत का निर्माण होता है। इंसान में संवेदना, प्रेम, दया, करूंगा समाहित होना चाहिए ताकि जीवन की नैया को पार लगाया जा सके। डॉक्टर पटेल की एक कविता 'व्याकुलता' में भी प्रेम से जीवन को आगे बढ़ाते जाने की बात करतें हैं। कवि ने मिलन की आस को बड़ा ही सजीवता से तुलनात्मक रूप से लिखा है। कवि डॉक्टर पटेल की कविता 'लोक और शिष्ट' में वर्षों से समाज में चले आ रहे शोषण को लिखा है। एक लेखक अपनी रचनाओं में पहले सिर्फ अपने वर्ग की बात करता था, वहीं जब से शोषक वर्ग ने कलम उठाई है, उन्होंने सामाजिक शोषण का पर्चा-पर्चा खोल दी है। शोषित वर्ग की अधिकारों की लड़ाई कलम से लड़ी जाने लगी है। उनकी एक और कविता 'वर्ना गांधी पसंद कब थे उन्हें' में वर्तमान भारत में गांधी की दशा पर लिखा है। आज के दौर में गांधीवाद सिर्फ नाम का सिम्बल मात्र ही समझा जाने लगा है। तभी तो गांधी सिर्फ भाषण देने के काम आते है और बदले में गोडसेवादियों ने समाज को हिंसक बना रखा है।

एक कविता 'दलित के घर सहभोज' के माध्यम से उन्होंने सामाज में फ़ैल चुके भेदभाव को उजागर किया गया है। एक तरफ जहां संविधान में भेदभाव को खत्म करने की कोशिश हुई है, लेकिन संविधान लागू होने के सात दशक बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हैं। डॉक्टर संतोष पटेल की पुस्तक से समाज को बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है।

पुस्तक : अमीबा एवम अन्य कविताएँ
लेखक : डॉ. संतोष पटेल
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

खबर संक्षेप

युवा पंचायत में उठाए क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दे

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में रविवार को तीसरी युवा पंचायत का आयोजन किया किया। इस पंचायत में पूर्व विधायक रघु यादव के पुत्र एवं युवा भाजपा नेता सृजन यादव ने बावल व रेवाड़ी विधानसभा के बाद महेंद्रगढ़ में तीसरी युवा पंचायत में शिरकत की। युवा पंचायत का आयोजन युवा नेता कुलभूषण मेघनवास, भोला बुचावास व संदीप बचीनी के नेतृत्व में किया गया, जिसकी अध्यक्षता सृजन यादव ने की। सृजन यादव का दक्षिण हरियाणा के अधिकाधिक युवाओं को जोड़ने के लिए आह्वान किया। सृजन यादव ने कहा कि जलयुद्ध नायक एवं पूर्व विधायक उनके पिता रघु यादव सदा दक्षिण हरियाणा के हकों की लड़ाई लड़ते आए हैं।

भाविप ने लगाया हेल्थ चेकअप कैंप

धारूहेड़ा। भारत विकास परिषद उपाध्यक्ष के जन्मदिन पर निःशुल्क हेल्थ चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में हड्डी रोग, स्त्री रोग व आंखों की जांच की गई है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ सुमन यादव ने महिलाओं की जांच करके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। कैंप में डॉ आर बी यादव अस्पताल की टीम ने सहयोग किया।

श्रीश्याम मंदिर में जागरण दो फरवरी को

कोसली। लख दातार सेवा मंडल कोसली की ओर से 30 जनवरी को नठेड़ा रोड़ स्थित श्रीश्याम मंदिर में प्रातः कलश यात्रा, सायं श्रीश्याम कथा तथा 2 फरवरी को भंडारे व जागरण का आयोजन किया जाएगा। सेवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम में भजन गायक सोनू लक्खा, मुस्कान दीक्षित, सुमित, दीपक व राजेश जांगड़ा श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। कथा वाचन उज्जैन के आचार्य पंडित हितेंद्र शास्त्री करेंगे।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से अवैध शराब बरामद

रेवाड़ी। जीआरपी ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से अवैध शराब बरामद की है। जीआरपी को प्लेटफॉर्म नं. 8 पर चेकिंग के दौरान बेंच के नीचे एक बैग दिखाई दिया। बैग के मालिक के बार में पता किया, परंतु किसी ने बैग पर अपना दावा नहीं जताया। इसके बाद जीअरपी की टीम ने बैग खोलकर देखा तो उससे 12 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

टाइल फैक्ट्री से बैट्री-इन्वर्टर ले गए चोर

कारोली। गांव में एक टाइल फैक्ट्री से चोर बैट्री और इन्वर्टर चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कारोनी निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उसने गांव के पास टाइल फैक्ट्री की हुई है। चोर फैक्ट्री के ऑफिस का ताला तोड़कर दो बैट्री और एक इन्वर्टर चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने के बाद भी चोरी का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

विधायकों से मिलकर प्रदेश सरकार तक पहुंचाई मांगें

ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर में सौंपे ज्ञापन

प्रदेश महामंत्री जेपी भाटिया ने बताया कि यह ज्ञापन राज्य के सभी 90 विधायकों के माध्यम से सरकार को भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सरकार के प्रति नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर संगठन हरियाणा (संबंधित भारतीय मजदूर संघ) की ओर से मांगों को लेकर रविवार को प्रदेश ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश महामंत्री जेपी भाटिया ने बताया कि यह ज्ञापन राज्य के सभी 90 विधायकों के माध्यम से सरकार को भेजा गया। इस दौरान ऑपरेटर बैनर हाथ में लेकर नारेबाजी करते हुए पहुंचें। नारनौल में राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ विधायक राव दान सिंह, नांगल चौधरी में विधायक डॉ. अभय सिंह, अटेली में विधायक सीताराम यादव एवं सतनाली में पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपा। इसके माध्यम से संगठन की 10 सूत्रीय मांगें उठाई। संगठन मांग है कि 20 अक्टूबर 2022 को अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास एवं पंचायत विभाग की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णय जैसे ईपीएफ, ईएसआई, एक्स-ग्रेसिया इत्यादि की अनुपालना करवाई जाए। सभी जलकर्मियों को नियमित किया जाए तथा जब तक नियमित नहीं किया जाता तब तक 18 हजार रूपए मासिक वेतन दिया जाए और समय-समय पर न्यूनतम वेतन में जो वृद्धि हुई है उसका बकाया भी दिया जाए। जलकर्मियों को रेनकोट, वर्दी बता, धुलाई बता व सेफ्टी किट दी जाए। महीने की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान करना सुनिश्चित करवाया जाए तथा सभी प्रकार के अवकाश देने का भी प्रावधान करवाया जाए। सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 के प्रावधानों अनुसार ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाए। जल कर्मियों के सेवा संबंधित मामलों में सरपंच द्वारा किए जा रहे हस्तक्षेप को समाप्त किया जाए तथा हटाए गए जल कर्मियों को वापस काम पर लिया जाए। श्रम विभाग द्वारा मिनिमम वेज में जो बढ़ोतरी की गई है वह बढ़ोतरी अप्रैल 2020 से अब तक जलकर्मियों का जो एरिया बनता है दिया जाए। नहरी पानी आने से जो ट्यूबवेल बंद कर दिए गए जो जलकर्मी उन ट्यूबवेल से हटाए गए हैं उनको वापस लिया जाए और ट्यूबल बंद हो जाने के कारण किसी भी जलकर्मी को हटाया न जाए। मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुनेश बेनीवाल, संगठन मंत्री मदनलाल कौशिक, प्रदेश महामंत्री जेपी भाटिया, बीएमएस जिलाध्यक्ष सोनू माजरा, ट्यूबवेल ऑपरेटर जिलाध्यक्ष मा. दिनेश आकोदा, प्रदीप यादव ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्रगढ़, रविकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

सतनाली मंडी। पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपते ट्यूबवेल ऑपरेटर।

बकाया वेतन भुगतान करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

पब्लिक हैल्थ ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा के सदस्यों ने पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम मांगों का ज्ञापन सौंपा। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश बेनीवाल के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में ईपीएफ, ईएसआई, एक्स ग्रेसिया आदि का लाभ देने, जलकर्मियों को नियमित करने और तब तक 18000 मासिक वेतन व न्यूनतम वेतन वृद्धि व बकाया देने, रेनकोट, वर्दी व वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता, सेफ्टी किट देने, महीने की सात तारीख तक वेतन व सभी प्रकार के अवकाश देने, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी का भुगतान करने, जिन पंचायतों को नगर पालिका, नगर परिषद अथवा नगर निगम में सम्मिलत किया गया है उन पंचायतों के जलकर्मियों को संबंधित निकाय में समायोजित करने व इस प्रक्रिया के दौरान बकाया वेतन का भुगतान करने, सहित अनेक मांगों को पूरा करने की मांग की। इस अवसर पर यूनियन स्टेट प्रधान मदनलाल कौशिक, जिला प्रधान सोनू माजरा, ब्लॉक प्रधान रविकाश शर्मा, हनुमान, धर्मपाल, सोमबीर, गिरवर सिंह, भंवर सिंह, राजकुमार, शालु देवी, सिलोचना, सुरेंद्र, सुनील, अनिल आदि थे।

महेंद्रगढ़। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

चेयरमैन स्कॉलरशिप परीक्षा में 15 हजार छात्र शामिल

- यदुवंशी शिक्षा निकेतन कनीना में चेयरमैन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन कनीना में चेयरमैन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें कक्षा प्रथम से 12वीं तक विभिन्न कक्षाओं के तहत 15000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभिभावकों ने उत्साह के साथ अपने-अपने बच्चों को यदुवंशी में यह परीक्षा दिलवाई। इस दौरान विद्यालय में परीक्षा देने आए विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का विद्यालय स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। परीक्षा को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा विशेष तैयारियां की गई, हेल्प डेस्क के माध्यम से बच्चों व उनके अभिभावकों की शिक्षा से संबंधित हर प्रकार का समाधान किया गया। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि यह परीक्षा उन सभी विद्यार्थियों को लाभान्वित करेगी जो अपनी-अपनी कक्षाओं में मेधावी रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह इस वर्ष कुल 96 करोड़ की छात्रवृति यदुवंशी के सभी स्कूलों के लिए होनहार विद्यार्थियों को प्रदान कर रहे हैं जिसमें से वे 21 जनवरी को आयोजित फेज-1 परीक्षा में सफलता प्राप्त विद्यार्थियों को 61 करोड़ की छात्रवृति प्रदान कर चुके हैं, जबकि शेष 35 करोड़ की छात्रवृति रविवार को यदुवंशी के कनीना, कोसली, मंदोला, थनवास, सोहली, गुरुग्राम, जींद, हांसी व ढ़ाणी माहु स्कूलों में सफलता प्राप्त विद्यार्थियों को प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप का लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को 15 फरवरी से पहले संबंधित विद्यालय में रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। यदुवंशी अपने पहले ही फेज-1 में होनहार विद्यार्थियों को 61 करोड़ की छात्रवृति प्रदान कर परिणाम घोषित कर चुका है।

यह स्कॉलरशिप विद्यार्थी को संबंधित स्कूल की कंपोजिट फीस पर दी जाएगी। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य यहां आने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को सर्वोत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाना है।

अभिभावकों से रूबरू हुए शिक्षक

- बीएनडी स्कूल में शिक्षक-अभिभावक मीटिंग आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा में रविवार को शिक्षक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के पेरेंट्स ने इस अवसर पर प्रत्येक विषय अध्यापक के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान किए गए उचित मार्गदर्शन की सराहना करने के साथ-साथ आगामी परीक्षाओं से संबंधित अपने सवालों के जवाब भी सरल ढंग से प्राप्त किए। चेयरमैन विजयपाल यादव ने अभिभावकों से कहा कि विद्यालय में आयोजित पेरेंट्स टीचर मीटिंग का उद्देश्य बच्चों की विशेष योग्यताओं व पढ़ाई में उनके स्तर को लेकर विस्तृत जानकारी प्रदान करना है, ताकि विद्यार्थी उच्चतम स्तर तक पहुंच सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी लग्न व मेहनत से करने के लिए प्रेरित किया तथा टीचरों को अभिभावकों से रूबरू करवाकर उनकी समस्याएं जानी गई और उनके समाधान का संकल्प लिया। प्राचार्य हनुमंत शर्मा ने अभिभावकों को विद्यालय में हाल ही में संपन्न हुई छमाही परीक्षा से संबंधित जानकारी दी। मौके पर मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव, डायरेक्टर पूनम यादव, वाइस प्रिंसिपल दिनेश कुमार, टीजीटी हेड विकास यादव, पीजीटी हेड अरविंद, पीआरओ राकेश कुमार आदि थे।

सतनाली में तीन ट्रेनों के ठहराव की मांग

- रेलमंत्री के नाम सतनाली रेलवे स्टेशन के एएसएम मुनफेद खान को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

सतनाली मंडी। रेलगाड़ियों के ठहराव की मांग का ज्ञापन सौंपते प्रधान दीवान शेखावत व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सतनाली रेलवे स्टेशन पर 224712-72, 19701-02 व 14811-12 ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर सतनाली रेल संघर्ष समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत के नेतृत्व में समिति सदस्य व क्षेत्रवासियों ने रेलमंत्री के नाम सतनाली एएसएम मुनफेद खान को ज्ञापन सौंपा। रेलमंत्री अश्विन वैष्णव के नाम एएसएम मुनफेद खान को सौंपे ज्ञापन में बताया कि उपतहसील मुख्यालय सतनाली राजस्थान व हरियाणा के 80 सैनिक बाहुल्य गांवों का मुख्य रेलवे स्टेशन है और यहां से प्रतिदिन भारी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर उल्लेखनीय यात्री भार के बावजूद सुविधाओं का अभाव है। सतनाली स्टेशन पर कुछ ही ट्रेनों का ठहराव होने पर भी रेलवे को सालाना एक करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हो रहा है। अतः स्टेशन की श्रेणी को अपग्रेड कर यात्री सुविधाओं का विस्तार एवं मुख्य ट्रेनों का ठहराव किया जाए। ज्ञापन में बताया कि 22471-72 दिल्ली-बीकानेर इंटरसिटी के ठहराव की काफी पुरानी मांग है। व्यापक यात्रीहित में बीकानेर मंडल की ओर से सतनाली ठहराव को वाणिज्यीक रूप से औचित्यपूर्ण ठहराया जा चुका है। इस गाड़ी के ठहराव के लिए सांसद की ओर से अनेक पत्र लिखे जा चुके हैं। सतनाली क्षेत्रवासी दो बार सांकेतिक धरना दे चुके है फिर भी ठहराव नहीं दिया जा रहा है। जिससे यहां के यात्रियों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा 19701-02 दिल्ली सरायरोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस का उल्लेखनीय यात्रीभार होने के बावजूद कोरोना काल के बाद महज सतनाली से ठहराव वापिस ले लिया गया है, जबकि अनेक स्टेशन जिनका यात्रीभार सतनाली से कम है।

मोहल्ला रावका से निकाली 63वीं प्रभातफेरी

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन की ओर से रविवार को मोहल्ला रावका से 63वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान मुकुट बिहारी गोयल, संदीप गोयल परिवार ने सर्वप्रथम ठाकुर जी की पूजा-अर्चना कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी संगठन के संयोजक नवीन जैन के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रभात फेरी छिपी जोहड़, नलापुर चौक, मोटा महादेव मंदिर, खड़खड़ी मोहल्ला, अंध विद्यालय, कल्लूमल की बगीची से होते हुए शुभारंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। प्रभात फेरी संगठन के संरक्षक चेतन जिंदल ने बताया कि एक वर्ष पूर्व गोवत्स श्री राधा-कृष्ण महाराज जब शहर में आए थे, तो उन्होंने जीओ गीता परिवार के प्रधान घनश्याम गर्ग को जिम्मेदारी सौंपी थी, कि हर रविवार को प्रभात फेरी निकाली जाए। जिस पर जीओ गीता परिवार ने प्रभात फेरी का आयोजन शुभारंभ किया था। इसके बाद भक्तों के सहयोग से प्रभातफेरी संगठन नाम से एक नया संगठन बनाकर घनश्याम करके नेतृत्व में हर रविवार को प्रभात फेरी आयोजित की जाती है। संगठन के वरिष्ठ सदस्य राकेश अग्रवाल ने बताया कि गौमाता की सेवा करने से इंसान के सभी विकार दूर होते हैं और उसके जीवन में आई हुई बाधाएं गौमाता हर लेती है एवं जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

बिहाली में क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

- प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की 40 टीमों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। बाछौद की प्रथम विजेता टीम को सम्मानित करते हुए।

अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली में सात दिवसीय श्री बाबा बजरंग बली क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह सरपंच सीताराम यादव की अध्यक्षता में मनाया गया, जिसमें युवा उद्योगपति कुलदीप यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का मंच संचालन बाबू प्रहलाद सिंह ने किया। यूथ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की 40 टीमों ने भाग लिया, जिसमें फाइनल मुकाबला बाछौद व बिहाली गांव की टीम के बीच हुआ, जिसमें बाछौद प्रथम व बिहाली द्वितीय स्थान पर रही। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कुलदीप यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति काफी रुचि दिखाई देती है, लेकिन आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण यहां का युवा पिछड़ रहा है। कार्यक्रम के अध्यक्ष सरपंच सीताराम यादव ने कहा कि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। युवाओं को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। प्रथम विजेता गांव बाछौद की टीम को 31000 रुपये व गांव बिहाली की द्वितीय टीम को 21000 रुपये की नगद राशि व एक-एक ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मनोज पहलवान, तेजपाल पहलवान, भूपेंद्र यादव, नवीन कुमार, दलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

सुंदरकांड पाठ में देर रात तक झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहर के मोहल्ला सिलाखाना में शनिवार रात रोहताश अग्रवाल के निवास पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम पंड़ित गिरिजाशंकर ने यजमान निखिल गर्ग व कोमल गर्ग से पूजन करवा बाबा की ज्योति प्रज्वलित करवाई। सुंदरकांड पाठ गुरुजी सांवरमल गोयल के पावन सानिध्य में अयोजित किया गया। जिसमें मुख्य पाठ वाचक के रूप में आचार्य क्रांति निर्मल रहे। जिनके साथ पंड़ित योगेश शर्मा व दीपक शर्मा ने सुंदरकांड के दौहे व चौपाईयों का मधुर स्वर से गायन किया। पाठ समापन के बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें म्यूजिक मास्टर धारू भाई ने राम कहानी सुनो रे राम कहानी भजन सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। वहीं आचार्य क्रांति निर्मल व पंडित योगेश शर्मा ने धमाल सुनाकर सभी को झूमने पर विवश कर दिया।

कनीना मंडी स्थित लाल शिवलाल धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित

लाला लाजपत राय को किए श्रद्धासुमन अर्पित

- लाला लाजपत राय महान क्रांतिकारी तथा दूरदृष्टा थे
- देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। लाला लाजपत राय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते अतिथिगण।

अमर शहीद लाला लाजपत राय की जयंती कनीना मंडी स्थित लाल शिवलाल धर्मशाला में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने लाला लाजपत राय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। गांव तलवाना के सरपंच सेठ रामनिवास बंसल बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी ठाकुर अतरलाल एडवोकेट ने की। कनीना व्यापार मंडल के प्रधान रविंद्र बंसल, सेठ प्रेम सिंगला व पद्मेंद्र जांगड़ा विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेठ रामनिवास बंसल, अध्यक्ष ठाकुर अतरलाल व अन्य विशिष्ट जनों ने लाला लाजपत राय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सेठ रामनिवास बंसल ने कहा कि लाला लाजपत राय महान क्रांतिकारी तथा दूरदृष्टा थे। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आर्य समाज के रास्ते पर चलकर उन्होंने देश के सैकड़ों नौजवानों को देश प्रेम का पाठ पढ़ाया। ठाकुर अतरलाल एडवोकेट ने लाला लाजपत राय के जीवन और कार्यों का वर्णन करते हुए उन्हें युग निर्माता बताया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रमेश कुमार अरोड़ा, पद्मेंद्र जांगड़ा, रविंद्र बंसल, सेठ प्रेम सिंगला, कप्तान मामराज सिंह, राकेश कुमार, होशियार सिंह, दीपक कुमार, कृष्ण कुमार, जगपाल, सत्यवान, दक्ष, मामराज, सतीश गुप्ता, महेंद्र, नरेंद्र, ब्रह्मदेव, सतीश, सुरेश, उमेद सिंह, मूलचंद, मनोहर लाल नंबरदार, लालसिंह पंच, राजेंद्र पंच, वेदप्रकाश, विजय कुमार, मुरारीलाल मित्तल, मनवीर, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार, संजय, नीटू ठेकेदार, महिपाल, पृथ्वीपाल, सतीश, रमेश, विनोद, मोहित, सतीश अरोड़ा, ललित कुमार, मुकेश कुमार, मोहित अरोड़ा, अनुपाल सिंह, राकेश कुमार, हरीश बंसल, नरेश कुमार, धर्मपाल, राजेंद्र, सुरेंद्र, सरजीत सिंह, आशीष, पूर्ण, हंसराज सोनी, रोशनलाल, रघुवीर सिंह, नरेश रोहिल्ला, ओमप्रकाश, पप्पू वर्मा, धर्मवीर, पवन कुमार मौजूद थे।

साइंस ओलंपियाड में मारी बाजी

- ज्ञानकोष-ए-ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों का परिणाम बेहतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

साइंस ओलंपियाड परीक्षा के प्रथम स्टेज में ज्ञानकोष-ए-ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों का परिणाम शानदार रहा। संस्था सीईओ राकेश कुमार ने बताया कि उनके विद्यालय हर दिन किसी ने किसी क्षेत्र में अपना शानदार परिणाम देकर क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने प्रथम स्टेज को पार करने वाले सभी बच्चों व अध्यापकों को बधाई देते हुए बताया कि विद्यालय में बच्चों के लिए एक सुशोभित साइंस लैब की व्यवस्था की गई है, जिसमें विद्यार्थी नए-नए आविष्कार करके अपने कौशल को बढ़ा रहे हैं। प्राचार्य रामनिवास ने बताया कि साइंस ओलंपियाड की प्रथम स्टेज की परीक्षा में विद्यालय के 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 12 बच्चों ने मेरिट बनाकर दूसरी स्टेज में प्रवेश किया है। यह बड़े गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि हमारे विद्यालय के बच्चे हर क्षेत्र में नए आयाम हासिल करके अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

खबर संक्षेप

हाईवे पर कट की मांग को लेकर धरना जारी

कनीना। नेशनल हाईवे 152-डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच कट के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना रविवार को 322वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन सतपाल पोता ने की। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने उन्हानी से दादरी वाया चिड़िया-बाघोत-सेहलंग रोड को स्टेट हाईवे घोषित किया, तब से धरनारत ग्रामीणों में उत्साह बना हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ओर से 152-डी पर भी कट को मंजूर किए जाने का आश्वासन दिया गया है। जिसे लेकर उनमें खुशी बनी हुई है।

एनएसएस की छात्राओं ने चलाया सफाई अभियान

कनीना। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान छात्राओं ने सफाई अभियान चलाया। इस बारे में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. विक्रम सिंह व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सीमा यादव ने बताया कि स्वच्छता रैली निकालकर ग्रामीणों को सफाई का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों में स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी जरूरी पहलुओं के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करना है।

इस अवसर पर एनएसएस की छात्राओं ने सार्वजनिक स्थलों व मुख्य मागार्ं की सफाई की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का महत्व केवल सुंदरता की पहचान नहीं बल्कि बीमारियों से निजात मिलती है।

मौसम में आया बदलाव, कड़ाके की ठंड एवं कोहरे पर लगा ब्रेक

हरिभूमि न्यूज. नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में बार-बार मौसम में जबरदस्त बदलाव व तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बता दे कि पिछले 35 दिनों से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में रिकॉर्ड तोड हाड़कंपा देने वाली ठंड अपने प्रचण्ड तेवरों से आगाज किए हुए थी। जिससे आमजन को कोहरा, शीतलहर से लगातार रूबरू होना पड़ रहा था। पिछले दो महीने से कमजोर मौसम प्रणाली की वजह से बारिश नदारद रही। जिसकी वजह से उत्तर भारत विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सूखी ठंड अपने तीखे तेवरों से आगाज किए हुए थी। जिसने सम्पूर्ण इलाके में खेत-खलिहानों में सूखा व संघन कोहरा बादलों के रूप में भरा आसमान साथ ही साथ निचले स्तर पर धुंध व कोहरा ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया था। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में लगातार परिवहन के साधन रेंगने को मजबूर रहे थे।

अब मौसम में बदलाव आने से आमजन को कड़ाके की ठंड व घने कोहरे से राहत मिली है, क्योंकि शनिवार को शीत ऋतु के लंबे अरसे के दौर के बाद सुबह से शाम तक सूर्य की चमकदार सुनहली धूप खिली रहने से आमजन को राहत की सांस ली।

वहीं रविवार को फिर से कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से सम्पूर्ण इलाके पर संघन बादलवाही देखने को मिली।

डा. चन्द्रमोहन से बताया कि रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस से 9.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान क्रमशः 9.0 डिग्री सेल्सियस व 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अभी भी रात के तापमान सामान्य से कम बने हुए है, जबकि सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में शनिवार को दिन के तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन रविवार सम्पूर्ण इलाके पर सघन बादलवाही की वजह से दिन के तापमान में फिर से गिरावट दर्ज हुई। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस से 20.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। जिसमें एक ही दिन में 3.0 डिग्री सेल्सियस से 9.0 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिली। जबकि जिले में नारनौल का दिन का तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्रमोहन ने बताया कि अगले तीन दिनों में लगातार मौसम में बदलाव यानि कभी प्रचण्ड ठंड, कभी प्रचण्ड धूप और फिर से संघन बादल देखने को मिलेगी। उन्होंने बताया कि सोमवार को एक बार फिर से सुबह से धुप देखने को मिलेगी। इसके बाद एक फरवरी से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में छिटपुट बारिश होने की उम्मीद है। डा. चन्द्रमोहन ने बताया कि इस बदलाव के पीछे लगातार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होना ही है, लेकिन आने वाले दिनों में लगातार और भी बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभों की एक श्रृंखला 30 जनवरी और उसके बाद दो फरवरी तथा इसके बाद पांच फरवरी को पश्चिमी हिमालय की ओर आ रही है।

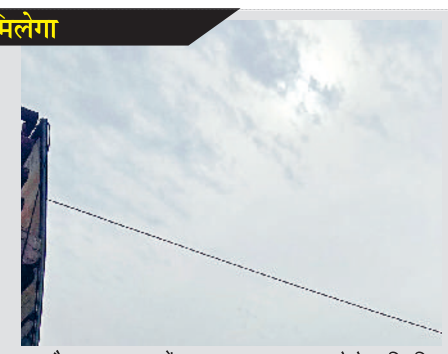
नारनौल। आसमान में छाए बादल। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली अनाज में युवाओं के आह्वान पर सभा का आयोजन किया

दक्षिणी हरियाणा में खेल यूनिवर्सिटी खोलने की उठी मांग, संघर्ष समिति का किया गठन

ललित यादव को सर्वसम्मति से बनाया गया अटेली संघर्ष समिति का अध्यक्ष।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के लोगों ने रविवार को मंडी अटेली अनाज में युवाओं के आह्वान पर एक सभा का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र के बच्चे, खिलाड़ी, कोच, समाज सेवक, अध्यापक, बुजुर्ग और मातृशक्ति शामिल हुए। सभा का मुख्य उद्देश्य अटेली क्षेत्र मे खेलों की सुविधाओं को लेकर था। क्षेत्र के लोगों ने तथ्यों के आधार पर बताया कि किस तरीके से पूरे दक्षिणी के साथ मुख्य तौर पर खेल सुविधाओं मे भेदभाव होता आ रहा है। हमेशा से और यहीं कारण है कि हमारे क्षेत्र के बच्चे शारीरिक रूप से इतना सक्षम होने के बावजूद भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

मंडी अटेली। बैठक में हिस्सा लेते क्षेत्र के लोग। फोटो : हरिभूमि

ललित यादव जोकि एक खिलाड़ी और कोच भी है उन्होंने सभा में अपना पक्ष रखते हुए बताया कि राज्य में लगभग सभी जिलों मे मल्टीपर्पज स्टेडियम और उनके साथ स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ट्रेनिंग सेंटर हैं और जहां साई ट्रेनिंग सेंटर नहीं भी है तो वहां पर हरियाणा सरकार के मल्टीपर्पज स्टेडियम हैं और वहां पर सरकार द्वारा कोच नियुक्त किए हुए हैं, जिससे की वहां के बच्चे और युवाओं को शुरूआत से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी करने के पूर्ण अवसर मिलते हैं और साथ में उन जिलों मे खेलों की उच्च शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा के लिए स्पोर्ट्स स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय भी हैं। लेकिन दक्षिणी हरियाणा मे ना कोई मल्टीपर्पज स्टेडियम है यहां तक की कोई सिंथेटिक ट्रैक भी नहीं है और ना ही कोई कॉलेज, स्पोर्टस स्कूल और विश्वविद्यालय है जहां बच्चे फिजिकल शिक्षा लेकर अपना भविष्य बना सके। उन्हें हर चीज़ के लिए कुरुक्षेत्र, रोहतक, हिसार, पंचकूला की तरफ जाना पड़ता है। चाहे वो खेलों की ट्रेनिंग हो या शिक्षा। इसीलिए अब क्षेत्र के लोगों की मांग है कि क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का मल्टीपर्पज स्टेडियम जिसके साथ स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का ट्रेनिंग सेंटर, स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय/ स्पोर्ट्स कॉलेज और स्पोर्ट्स स्कूल जल्द से जल्द बने। इससे क्षेत्र का युवा नशे से तो दूर होगा ही, साथ मे खेलों में क्षेत्र व राष्ट्र का नाम भी होगा।

सभी विषयों पर होगा विचार

आगे की कार्रवाई की रूपरेखा रखते हुए क्षेत्र के लोगों ने अटेली खेल संघर्ष समिति का गठन किया, जिसमें क्षेत्र के खिलाड़ी, कोच, अध्यापक, समाजसेवी और मातृशक्ति सभी को रखा गया है। सभी विषयों पर विचार और बातचीत करने के बाद ललित यादव को सर्वसम्मति से अटेली खेल संघर्ष समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अब ये संघर्ष समिति आगे की रणनीति पर चर्चा करके काम करेगी और जल्दी ही कोशिश करेगी कि क्षेत्र को खेलों मे भी उसको पूरा हक मिले।

जजपा ने की नारनौल व नांगल चौधरी हलका की कार्यकारिणी घोषित

- पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों व जिला अध्यक्ष की सहमति से जारी की गई लिस्ट
- नारनौल हलका से तीन व नांगल चौधरी हलका से सात वरिष्ठ उपप्रधान बनाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जननायक जनता पार्टी ने नारनौल व नांगल चौधरी हलका की कार्यकारिणी घोषित की है। नारनौल हलका में जहां तीन वरिष्ठ उपप्रधान बनाए गए है, वहीं नांगल चौधरी हलका में सात कार्यकर्ताओं को यह पद दिया गया है। इनके अलावा उपाध्यक्ष, प्रधान महासचिव, सचिव, प्रचार सचिव व आईटी सैल कॉर्डिनेटर की भी नियुक्ति की गई है। पार्टी कार्यकर्ताओं को मिली नई जिम्मेवारी के लिए इन्होंने शीर्ष नेताओं का आभार जताते हुए भविष्य में होने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जीत के लिए अहम किरदार निभाने का भरोसा दिलाया है। इस संबंध में जजपा जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि जिला अध्यक्ष डा. मनीष शर्मा, नारनौल हलका अध्यक्ष भोजराज नांगतिहाड़ी व नांगल चौधरी हलका अध्यक्ष बिरेंद्र बनिहाड़ी ने पार्टी के शीर्ष नेताओं से रायशुमारी कर नारनौल व नांगल चौधरी हलका की कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें नांगल चौधरी हलका से जगदीश शर्मा छिलरो, सुनील कुमार दौंगली, जोगेंद्र सिंह निजामपुर, सत्यवीर सिंह नापला, भैरू नायन, मनोज कुमार सिरोही व रणबीर छिलरो को वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद के लिए ईश्वरसिंह बनिहाड़ी, मनोज कुमार नापला, कमलसिंह अमरपुरा, राजेश कुमार बुढ़वाल, ओमप्रकाश बुढ़वाल, लक्ष्मीचंद खातोली जाट व रवि शंकर दौंचाना को जिम्मेवारी सौंपी गई है। प्रधान महासचिव पद के लिए देवेंद्र सिंह पवेरा को चुना है। महासचिव पद के लिए रामसिंह मोहनपुर, किशोरीलाल नायन, विजयसिंह कालबा, सतीश मौखूता, रोहताश कोरियावास, सुधीर हसनपुर व बिरेंद्र सिंह भांखरी को नियुक्त किया है। सचिव पद के लिए विकास गांवड़ी जाट, सतबीर नौलाजा, सरजीत कालबा, जसवंत सरेली, विक्रम आसरावास, इंद्रपाल नांगलिया, विक्रम बुढ़वाल, लक्ष्मीनारायण नेहरूनगर, महेंद्र कुमार नांगल चौधरी, धर्मवीर कालबा व बलबीर भांखरी को कार्यभार संभाला है। प्रचार सचिव पद के लिए रविंद्र कुमार नांगल चौधरी बनाया गया है।

आरपीएस विद्यालय में होनहार बच्चों का हुआ सम्मान

- सैकड़ों विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ हॉस्टल सुविधा भी रहेगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय में होनहार बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप पाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ इंजी. मनीष राव मुख्यातिथि रहे जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने की। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रीतिका व हरिप्रकाश जोशी ने किया। बता दें कि आरपीएस विद्यालय द्वारा आरपीएस ग्रुप फाउंडर डायरेक्टर स्व. डॉ. ओपी यादव के शिक्षा रूपी ज्ञान के मिशन को आगे बढ़ते हुए स्कॉलरशिप परीक्षा में टॉप रहने वाले कक्षा नौवीं तथा 11वीं के मेडिकल, नॉन मेडिकल तथा आर्ट-कॉमर्स-कलेक्ट के छात्र-छात्राओं को 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप देने के साथ-साथ उनके हॉस्टल में रहने व खाने-पीने तक की सुविधा निःशुल्क देने की घोषणा की थी। इस वर्ष भी लगातार दूसरी बार आरपीएस ग्रुप की ओर से आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में जिले के साथ-साथ प्रदेश व देशभर के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाई थी, जिनमें से विषय अनुसार चयनित सुपर 30 बच्चों का सम्मान रविवार को आरपीएस विद्यालय खातोद में किया गया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों व अभिभावकों को संबोधित करते मनीष राव। फोटो : हरिभूमि

टॉप बच्चों का हुआ सम्मान समारोहः आरपीएस विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में सभी स्कॉलरशिप परीक्षा के प्रतिभाशाली बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। जिनका विद्यालय के प्रवेश द्वार पर ही स्वागत किया गया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने सभी प्रतिभाशाली बच्चों व उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए विश्वास दिलाया कि उनके उनके बच्चों को विद्यालय में हर संभव सुविधा के साथ गुणवत्ता व संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान की जाएगी।

सेंटर फॉर मीडिया स्टडी व ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का कल से आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 30 व 31 जनवरी को सेंटर फॅार मीडिया स्टडीज नई दिल्ली व ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से निम्न कार्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। इसी उद्देश्य के साथ इस दो दिवसीय कार्यशाला को आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि देशभर में इस अभियान की शुरूआत सेंटर फॅार मीडिया स्टडीज ने ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से की है। विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हो रही इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को निम्न कार्बन उत्सर्जन से होने वाले खतरों से आमजन को जागरूक करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज एवं भारत में ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में मौसम विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन व पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विशेषज्ञ पर्यावरण जैसे विषयों पर लेखन एवं रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षत करेंगे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का मुख्यद्वार।

नारनौल। परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रोटरी क्लब यूनिटी ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

नारनौल। रोटरी क्लब यूनिटी का गठन होने के उपरांत संस्था की ओर से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन नागरिक अस्पताल के सामने अग्रवाल सभा भवन में सभा के सहयोग से किया गया। इसमें जयपुर के इटरनल हॉस्पिटल से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। 300 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आगे के लिए निःशुल्क परामर्श दिया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि थे। वहीं रोटरी क्लब रोटरी इंटर नेशनल से आगामी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डा. रविंद्र गुगनानी व अग्रवाल सभा प्रधान एडवोकेट प्रेमचंद गुप्ता विशिष्ट अतिथि थे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने रोटरी क्लब यूनिटी की अच्छी पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में जयपुर के अस्पताल से विभिन्न विशेषज्ञों की टीम को बुलाकर लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व महिलाओं में स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की जांच के हेतु मैमोग्राफी कैंप लगाना सच्ची सेवा है।

बचपन प्ले स्कूल में हुआ पेरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। मोदाश्रम मंदिर के सामने बचपन प्ले स्कूल में पेरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नए बच्चों के अभिभावकों ने विद्यालय की अध्यापिकाओं से विचार-विमर्श कर यहां के वातावरण और संसाधनों की जानकारी प्राप्त की तथा विद्यालय में पहले से ही पढ़ रहे पुराने बच्चों के अभिभावकों ने भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में उनकी कक्षा अध्यापिकाओं से सलाह की। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि पेरेंट्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम नए छात्रों को स्कूल में सफल होने के लिए आवश्यक जानकारी और संसाधन प्रदान करने में सहायता करता है। यह उन्हें नए लोगों से मिलने, दोस्त बनाने और विद्यालय के वातावरण को जानने का अवसर प्रदान करता है तथा नए छात्रों को स्कूल के वातावरण और संसाधनों से परिचित करवाता है। प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, हेड रूपाली अरोड़ा, किड्स गार्डन प्ले स्कूल प्राचार्या सविता यादव एवं ज्योति शर्मा ने भी अपनी ओरिएंटेशन की शुरूआत बहुत ही शानदार तरीके से की।

यदुवंशी थनवास में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

- एक से 12 तक के लगभग 3500 बच्चों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास मे चेयरमैन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों का जोश व उत्साह चरम पर रहा। इस परीक्षा में कक्षा एक से कक्षा 12 तक के लगभग 3500 बच्चों ने भाग लिया। अभिभावकों ने यदुवंशी के प्रति आस्था व विश्वास प्रकट करते हुए अपने बच्चों को यदुवंशी थनवास में भेजा। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने स्कालरशिप परीक्षा में बैठने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी तथा बताया कि इस वर्ष परीक्षा में लगभग 35 करोड़ की राशि आबंटित की जाएगी। विद्यालय की डायरेक्टर सुनिता यादव ने कहा कि स्कोलरशिप परीक्षा एक ऐसा माध्यम है, जिसके माध्यम से गरीब बच्चों अच्छे विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलता है। यदुवंशी स्कूल यह मौका हर वर्ष देता है तथा बहुत से विद्यार्थी इससे लाभान्वित होते है। प्राचार्य रमेश यादव ने बताया कि आज आयोजित हुई स्कालरशिप परीक्षा में लगभग सभी गांवों व शहरों से विद्यार्थी तथा अभिभावक पहुंचे और विद्यालय की व्यवस्थाओं को देखकर विद्यालय के प्रति विश्वास प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को 15 फरवरी तक रजिस्ट्रेशन करवाने पर यह छूट प्राप्त होगी।

सुविधा सतनाली क्षेत्र का भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है

17.25 करोड़ में सुधरेगी सतनाली क्षेत्र की नहरी पानी व्यवस्था एवं भूजल स्तर, 13 नए जोहड़ जोड़े जाएंगे नहरी नेटवर्क से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिंचाई एंव जल संसाधन विभाग की ओर से सतनाली क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारने के लिए करीब 17.25 करोड़ रुपये के ऐस्टिमेट टेंडर मंजूरी के लिए भेजे गए हैं। इसके अलावा माधोगढ़ घाटी को नहर से जोड़ने के लिए 2.25 करोड़ का टेंडर मंजूरी के मुख्यालय भेजा गया हैं। वहीं 12.9 करोड़ की लागत से तीन नहरों को पक्का किया जाएगा।

विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सतनाली क्षेत्र का भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह ब्लॉक तकनीकी कारणों से अटल भूजल योजना में भी शामिल नहीं है।

महेंद्रगढ़। जर्जर हो चुकी माधोगढ़ नहर। फोटो : हरिभूमि

2.25 करोड़ की लागत माधोगढ़ घाटी में पहुंचाया जाएगा पानी

माधोगढ़ घाटी को नहर से जोड़ने की योजना को मुख्यमंत्री की तरफ से पहले ही मंजूरी मिल गई थी। यह प्रोजेक्ट 2.25 करोड़ का है। इसके ऐस्टिमेट भी टेंडर मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिए गए हैं। माधोगढ़ घाटी को प्रेशराइजड पाइपलाइन से डालनवास स्थित माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी के पंप हाउस नंबर तीन से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा माधोगढ़ ब्रांच का करीब 4.27 करोड़ तथा सतनाली डिस्ट्रीब्यूटरी का करीब 3.21 करोड़ की लागत से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इन सभी कार्यों के टेंडर फरवरी के महीने में लगा दिए जाने की पूरी उम्मीद है। इस साल बरसात के दिनों में सतनाली क्षेत्र में लगभग 50 जोहड़ नहरी पानी से भरे जाएंगे। साथ ही माधोगढ़ घाटी में भी बरसात के दिनों में लगातार पानी भरा जाएगा। इससे आसपास के लगभग दो दर्जन गांवों को सीधा लाभ होगा। इसमें मुख्य रूप से गांव माधोगढ़, डालनवास, जेरपुर, मांडोला, ऊष्मापुर, कुराहवटा, खातौदड़ा, बलाना, ढाढोत, डिगरोता, नांगल माला व नांवा आदि शामिल हैं।

योजना बनाई गईः यहां के भूजल स्तर को उठाने के लिए विस्तार से योजना बनाई गई थी। सतनाली क्षेत्र की तीन नहरों का सुदृढ़ीकरण तो पहले ही पूरा हो चुका है। साथ ही सतनाली क्षेत्र को पानी पहुंचाने वाली बड़ी नहर सतनाली फीडर को भी पक्का कर दिया गया है। ऐसे में इस क्षेत्र में अधिक जोहड़ नहरी नेटवर्क से जोड़ने की आवश्यकता थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा पानी इन जोहड़ों में भरा जा सके तथा क्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार हो सकें।

इन जोहड़ों में पहुंचाया जाएगा नहरी पानी

गांव गादड़वास के सती माता जोहड़ी में करीब 17.88 लाख, गांव जड़वा के आनावाला जोहड़ में 6.96 लाख, गांव मंढियाली के जोहड़ में 43.51 लाख, गांव माधोगढ़ के राजावाला जोहड़ में 28.19 लाख, गांव बास के जोहड़ में 30.43 लाख, सतनाली के धारावाल जोहड़ में 9.30 लाख, गांव सुरहेती पिलानिया के ब्राह्मणों वाला जोहड़ में 6.96 लाख गांव सुरहेती जाखल के पिपराली जोहड़ में 7.81 लाख व जोलड़ी जोहड़ में 9.75 लाख, गांव सतनाली के पुरवाना जोहड़ में 6.96 लाख, गांव नावां के काला मारवा जोहड़ में 9.75 लाख की लागत से नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। डालनवास स्थित पंप हाउस से प्रेशराइजड पाइपलाइन से लागत 2.25 करोड़ आएगी।